



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 433]  
No. 433]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1987/भाद्र 4, 1909  
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1987/BHADRA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

(कंपनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1987

प्रादेश

का. प्रा. 796 (घ) :—कंपनी विधि बोर्ड का यह समाधान हो गया है कि लोक हित में यह अश्वायक है कि एण्ड्रूगूल एण्ड कंपनी लि. जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है और इसको छह समनुपंगी अन्य कंपनियों अर्थात् बानरहाट टी कंपनी लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1882 (1882 का 6) के अधीन निगमित कंपनी है, बासमतिया टी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है, हुलंगूरी टी कंपनी लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1866 (1866 का 10) के अधीन निगमित कंपनी है, दि मिम टी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1866 (1866 का 10) के अधीन निगमित कंपनी है, दि मरकुलानी (असम) टी कंपनी लिमिटेड जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है और राजगढ़ टी कं. लिमिटेड, जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन निगमित कंपनी है, का इन

सातों कंपनियों में से प्रत्येक के कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 3 के अर्थात्संगत कंपनी होने के कारण एकल कंपनी में समावेशन कर दिया जाए ;

और प्रस्तावित प्रादेश के प्रारूप की प्रति उपर्युक्त कंपनियों अर्थात् बानरहाट टी कंपनी लिमिटेड, दि बासमतिया टी कंपनी लिमिटेड, दि हुलंगूरी टी कंपनी लि., दि मिम टी कंपनी लिमिटेड, दि मरकुलानी (असम) टी कंपनी लिमिटेड, राजगढ़ टी कंपनी लिमिटेड और एण्ड्रूगूल एण्ड कंपनी लिमिटेड को भेज दी गयी थी और कुछ शेषधारकों से प्राप्त धाक्षेयों और सुझावों पर कंपनी विधि बोर्ड ने विचार कर लिया है ; ५

अतः अब, कंपनी विधि बोर्ड, भारत सरकार के कंपनी कार्य विभाग की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 443 (घ), तारीख 18 अक्तूबर, 1972 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रादेश करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—इस प्रादेश का संक्षिप्त नाम दि बानरहाट टी कंपनी लिमिटेड, दि बासमतिया टी कंपनी लि., दि हुलंगूरी टी कंपनी लिमिटेड, दि मिम टी कंपनी लिमिटेड, दि मरकुलानी (असम) टी कंपनी लिमिटेड, दि राजगढ़ टी कंपनी लिमिटेड और एण्ड्रूगूल एण्ड कंपनी लिमिटेड (समावेशन) प्रादेश, 1987 है ।

2. परिभाषाएं :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है, जिस को यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित किया गया है ;

(ख) "विघटित कंपनियों" से बि. वान. रूहाट टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "बान. रूहाट" कहा गया है), दि. वासमतिया टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "वासमतिया" कहा गया है), कि. हूल्गूरी टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "हूल्गूरी" कहा गया है), दि. मिम टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मिम" कहा गया है), वि. भरकुलानी (असम) टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "भरकुलानी" कहा गया है), और राजगढ़ टी. कंपनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "राजगढ़" कहा गया है) अभिप्रेत है ;

(ग) "परिणामी कंपनी" से एन्ड्रयूल एण्ड कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसमें इसके पश्चात् "यूल" कहा गया है) अभिप्रेत है ।

3. कंपनियों का सम्मेलन : (1) नियत दिन से ही विघटित कंपनियों का संपूर्ण कारबार और उपक्रम, जैसा है जहां है की दशा में उसके विचलनगमों यदि कोई हों, के अंशों सभी जंगम और स्थावर संपत्तियों, और अन्य आस्तियों, चाहे किसी भी प्रकृति की हों, जिनके अन्तर्गत औद्योगिक और अन्य अनुश्रुतियां और अधिकार, कोटा अधिकार, व्यापार बिजु और अन्य औद्योगिक संयंत्र, अधिकार पट्टे और अधिवृत्ति अधिकार, सभी करारों के फायदे संविदाएं, व्यवस्थाएं और सभी अन्य हित, प्रत्येक प्रकार, प्रकृति और वर्णन के अधिकार और शक्तियां, (ऐसे सभी कारबार उक्तों, संपत्तियों, आस्तियों, अधिकारों, अनुश्रुतियों, संविदाओं और शक्तियों को संक्षिप्त के लिए इसमें इसके पश्चात् सम्मिलित रूप से "उपक्रम" कहा गया है) बिना किसी और कार्य या विवेक के होना और यह यूल को अन्तर्गत और उसमें निहित हो जाएगी और कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 और अन्य लागू उपबन्धों, यदि कोई हों, के अनुसरण में उक्तो अन्तर्गत प्र. उसमें निहित हुई समझी जाएगी और यह कंपनी (यूल) ऐसे अन्तर्गत पर, तुरंत सम्मेलन की पारिणामिक कंपनी समझी जाएगी ।

(2) नियत दिन से ही सभी ऋण दायित्व (आकस्मिक या अन्यथा) विघटित कंपनियों के कर्तव्य और बाध्यताएं, जिनके अन्तर्गत संश्लेष, संबंधित प्राडान वस्तुवेजों के अंशों कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क में यथा परिभाषित किसी लोक वित्तीय संस्थाओं के प्रविभूत, अप्रतिभूत ऋण भी है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 396 के उपबन्धों और अन्य लागू उपबन्धों, यदि कोई हों, के अनुसरण में किसी अन्य कार्यवाई या विवेक के बिना यूल को अन्तर्गत हो जाएगी, जिससे कि वे यूल के ऋण और दायित्व कर्तव्य और बाध्यताएं बन सकें ।

(3) लेखा प्रयोजनों के लिए सम्मेलन विघटित कंपनियों के 31 मार्च, 1986 को लेखापरीक्षित लेखाओं और तुलन पत्रों के संदर्भ में प्रभावी होगा और उनके पश्चात् के व्यववहारां को यूल के लेखों में माना जायेगा । विघटित कंपनियों से किसी पश्चात्कर्तव्य तारीख को अपना अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और यूल 31 मार्च, 1986 को लेखापरीक्षित तुलन-पत्रों के अनुसार सनस्य आस्तियों और दायित्वों का अधिग्रहण कर लेगी और उनके पश्चात् सभी व्यववहारां के लिए पूर्ण दायित्व स्वीकार करेगी ।

स्पष्टीकरण :—“विघटित कंपनियों के व्यववहारां” के अंतर्गत सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार तथा सभी जंगम और स्थावर संपत्ति जिसमें नकद अतिशेष, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान और नियत दिन से ठीक पूर्व विघटित कंपनियों की या उनके कब्जे में की ऐसी संपत्ति में या उन से उद्भूत सभी अन्य हित और अधिकार, और विघटित कंपनियों की तत्काल विद्यमान सभी बहियां, लेखे और उनसे

संबंधित वस्तुवेज तथा सभी ऋण दायित्व, कर्तव्य और बाध्यताएं, चाहे किसी भी किस्म की हों, सम्मिलित होंगी ।

4. सम्पत्ति की कतिपय भवों का अन्तरण :—इस आदेश के प्रयोजन के लिए, नियत दिन को विघटित कंपनियों के लाभ या हानियां, या दोनों, यदि कोई हों, और विघटित कंपनियों की, जब वे परिणामी कंपनी, अर्थात् यूल को अन्तर्गत की जाएं राजस्व आरक्षितियां या घाटे या दोनों, यदि कोई हों, क्रमशः यूल के यथास्थिति लाभ या हानि और राजस्व आरक्षितियों या घाटे, का भाग बनेंगे ।

1 अप्रैल, 1986 से ही नियत दिन तक, विघटित कंपनियों के बारे में यह समझा जाएगा कि वे अपना कारबार और क्रियाकलाप यूल के लिए और उसकी ओर से तथा उनके लाभ के लिये और उसके भवे चला रही हैं ।

5. संविदाओं आदि की व्याप्ति :—इस आदेश में अन्तर्लिखित अन्य उपबन्धों के अंशों रहते हुए, नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान या प्रभावी सभी संविदाएं, विवेक, बंधपत्र, सभी प्रकार के करार और अन्य लिखतें, जिनकी विघटित कंपनी पक्षकार थी, पूर्णतः प्रवृत्त रहेंगी और वे यूल के विरुद्ध या उसके पक्ष में प्रभाव रखेंगी और उन्हें इस रूप में पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी किया जायेगा मानो विघटित कंपनियों की बजाए यूल उनकी पक्षकार हों ।

6. विधिक कार्यवाहियों की व्याप्ति :—यदि नियत दिन को विघटित कंपनियों द्वारा या उनके विरुद्ध कोई वाद अभियोजन, अपील या अन्य किसी भी प्रकार विधिक की कार्यवाही संलग्न है तो वह विघटित कंपनियों के उपक्रमों के यूल को अन्तर्गत या इस आदेश में अन्तर्लिखित किसी बात के कारण सन्तप्त होंगी या बन्ध नहीं होगी या किसी भी तरह प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं होगी, किन्तु वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां यूल के द्वारा या उसका विरुद्ध उसी रीति से और उसी सीमा तक चालू रखी जा सकेंगी, अभियोजित और प्रवृत्त की जा सकेंगी जैसी कि वे यदि यह आदेश न किया गया होता तो विघटित कंपनियों द्वारा या उनके विरुद्ध चालू रखी जाती अभियोजित और प्रवृत्त की जाती ।

7. विघटित कंपनियों में शेयरधारकों के अधिकार :—

(क) बान.रूहाट 97,02,400 रु. की निर्दिष्ट और अधिदत्त शेयर पूंजी निम्नरूप में है :—

(i) 4,00,000 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 4,000 पूर्णतः संदत्त 61/2 प्रतिशत आय-कर मुक्त संघर्षी प्रथम अधिमान शेयरों में विभाजित हैं, (ii) 11,12,400 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 11,124 पूर्णतः संदत्त 9.3% संघर्षी द्वितीय अधिमान शेयरों में विभाजित हैं ; और (iii) 81,90,000 रु. जो प्रत्येक 100 रु. के 81,900 पूर्णतः संदत्त साधारण शेयरों में विभाजित हैं ।

उपरोक्त कुल शेयरों में से बान.रूहाट की पूर्णतः संदत्त पूंजी में 1,783 पूर्णतः संदत्त 61/2% आय-कर मुक्त प्रथम अधिमान शेयर, 1,865 पूर्णतः संदत्त 9.3% संघर्षी द्वितीय अधिमान शेयर और 41,582 पूर्णतः संदत्त साधारण शेयर नियत दिन को यूल द्वारा धारित हैं । परिणामतः यूल की पूंजी में उसके 1,783 61/2% आय-कर मुक्त संघर्षी प्रथम अधिमान शेयर, 1,865 9.3 प्रतिशत संघर्षी द्वितीय अधिमान शेयर की उसकी पूर्वोक्त धृतियों के और बान.रूहाट की पूंजी में 41,582 साधारण शेयरों की उपर्युक्त धृतियों के संबंध में कोई शेयर निगमित नहीं किए जाएंगे तथा इन आदेश के आधार पर उपर्युक्त शेयर रहें हो जाएंगे ।

शेष 2,217 61/2% आय-कर मुक्त संघर्षी प्रथम अधिमान शेयरों, 9,259 9.3% संघर्षी द्वितीय अधिमान शेयरों और बान.रूहाट की पूंजी में 40,318 साधारण शेयरों के संबंध में यूल नियत दिन के पश्चात् 2,217 6 1/2% आय-कर मुक्त संघर्षी प्रथम अधिमान शेयरों के संबंधित

धारकों को समतुल्य पर आबंटित कर निम्न समानुपात में निर्गमन करेगी—

(i) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के पूर्णतः संदस्त 6 1/2 % आयकर-मुक्त संघी प्रथम अधिमानी शेयर के लिए यून में प्रत्येक 100 रु. का 1 पूर्णतः संदस्त 6 1/2 % आयकर मुक्त संघी प्रथम अधिमानी शेयर, (ii) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के पूर्णतः संदस्त 9.3 % संघी द्वितीय अधिमानी शेयर के लिए यून में प्रत्येक 100 रु. का 1 पूर्णतः 9.3 % संघी द्वितीय अधिमानी शेयर और (ii) बानरहाट में प्रत्येक 100 रु. के 10 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 314 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर 1 से नियत दिन के ठीक पूर्व को बानरहाट के संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने की बाबत उनके द्वारा धारित होंगे।

बासमतिया:— निर्गमित और अभिवस्त शेयर पूंजी 1,83,600 रु. प्रत्येक 10 रु. के 1,83,600 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपयुक्त कुल शेयरों में से, बासमतिया की संदस्त पूंजी में 95,228 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर नियत दिन को यून द्वारा धारित है। परिणामतः बासमतिया की पूंजी में यून की उपयुक्त धृतियों में 95,228 साधारण शेयरों के संबंध में उसकी पूंजी में शेयरों में कोई निर्गमन नहीं होगा और बासमतिया की पूंजी के उपयुक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएंगे।

बासमतिया की पूंजी में शेय 88,372 साधारण शेयरों का जहाँ तक संबंध है, यून नियत दिन के पश्चात् बासमतिया में पूर्वोक्त 88,372 साधारण शेयरों के धारकों को नियत दिन के ठीक पूर्व तारीख को बासमतिया के संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने को बाबत उनके द्वारा धारित बासमतिया प्रत्येक 10 रु. के 25 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के समानुपात में साधारण शेयर समतुल्य पर आबंटित कर निर्गमित करेगा।

हूलंगूरी :— 17,40,000 रु. की निर्गमित और अभिवस्त पूंजी प्रत्येक 100 रु. के 17,400 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपयुक्त कुल शेयरों में से, हूलंगूरी की समावस्त पूंजी में 9,868 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर नियत दिन को यून द्वारा धारित है। परिणामतः हूलंगूरी की पूंजी में पूर्वोक्त 9868 साधारण शेयरों को होल्डिंग की बाबत यून की पूंजी में शेयरों का कोई निर्गमन नहीं होगा और पूर्वोक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएंगे।

हूलंगूरी की पूंजी में शेय 7,532 साधारण शेयरों का जहाँ तक संबंध है, यून नियत दिन के पश्चात् हूलंगूरी में उपयुक्त 7,532 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारीख को हूलंगूरी के संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने की बाबत उनके द्वारा धारित हूलंगूरी में प्रत्येक 100 रु. के 10 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 70 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के समानुपात में यून में साधारण शेयर समतुल्य पर आबंटित कर निर्गमित करेगी।

मिम :— 4,77,000 रु. की निर्गमित और अभिवस्त शेयर पूंजी प्रत्येक 100 रु. के 4,770 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों में विभाजित है।

उपयुक्त कुल शेयरों में से, मिम की समावस्त पूंजी में 2,055 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर और 450 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर नियत दिन को क्रमशः यून और बानरहाट द्वारा धारित है। परिणामतः मिम की पूंजी में 2,055 साधारण शेयरों की उपयुक्त धृतियों की बाबत यून की पूंजी का कोई निर्गमन नहीं होगा और उपयुक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएंगे।

चूँकि इस आदेश के आधार पर बासमतिया उपक्रम यून में निहित हो गया है अतः मिम की शेयर पूंजी में बानरहाट के 450 साधारण शेयरों की पूर्वोक्त धृति रद्द हो जाएगी और इस आदेश के आधार पर यून के साथ मिम के सम्मेलन के कारण यून द्वारा शेयरों का कोई निर्गमन नहीं किया जाएगा।

मिम की पूंजी में शेय 2,265 साधारण शेयरों का जहाँ तक संबंध है, यून नियत दिन के पश्चात् मिम में उपयुक्त 2,265 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन के ठीक पूर्व तारीख को मिम संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने की बाबत उनके द्वारा धारित मिम में प्रत्येक 100 रु. के 100 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 38 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के समानुपात यून में साधारण शेयर समतुल्य पर आबंटित कर निर्गमित करेगी।

मरकुलानी:— 10,00,000 रु. की निर्गमित और अभिवस्त शेयर पूंजी निम्न इस प्रकार है :— (i) प्रत्येक 10 रु. के 20,000, पूर्णतः संदस्त अधिमानी साधारण शेयरों में 2,00,000 रु. विभाजित है; और (ii) 10 रु. प्रत्येक के 80,000 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों में 8,00,000 रु. विभाजित है।

उपयुक्त कुल शेयरों में से, मरकुलानी की पूंजी में 11,676 पूर्णतः संदस्त अधिमानी साधारण शेयर और 47,863 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर नियत दिन को यून द्वारा धारित है। परिणामतः मरकुलानी की पूंजी में 11,676 अधिमानी साधारण शेयरों और 47,863 साधारण शेयरों की उपयुक्त होल्डिंग की बाबत यून की पूंजी में शेयरों का कोई निर्गमन नहीं होगा और उपयुक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएंगे।

मरकुलानी की पूंजी में, जहाँ तक शेय 8,324 अधिमानी साधारण शेयरों और 32,137 साधारण शेयरों का संबंध है, यून नियत दिन के पश्चात् मरकुलानी में उपयुक्त 8,324 अधिमानी साधारण शेयरों और 32,137 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारीख को मरकुलानी के संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने की बाबत उनके द्वारा धारित :— (i) मरकुलानी में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदस्त अधिमानी साधारण शेयरों के लिए यून में 10 रु. प्रत्येक के 23 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों और (ii) मरकुलानी में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 22 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के समानुपात में यून में साधारण शेयर समतुल्य पर आबंटित कर निर्गमित करेगी।

राजगढ़ 24,00,000 रु. की निर्गमित और अभिवस्त शेयर पूंजी प्रत्येक 10 रु. के 1,40,000 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों में विभाजित है। उपयुक्त कुल शेयरों में से, राजगढ़ की समावस्त पूंजी में 1,76,908 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयर नियत दिन को यून द्वारा धारित किए गए हैं। परिणामतः राजगढ़ की पूंजी में 1,76,908 साधारण शेयरों को यून की उपयुक्त होल्डिंग की बाबत यून की पूंजी में शेयरों का कोई निर्गमन नहीं होगा और उपयुक्त शेयर इस आदेश के आधार पर रद्द हो जाएंगे।

राजगढ़ की पूंजी में जहाँ तक शेय 63,092 साधारण शेयरों का संबंध है, यून नियत दिन के पश्चात् राजगढ़ में उपयुक्त 63,092 साधारण शेयरों के संबंधित धारकों को नियत दिन से ठीक पूर्व तारीख को राजगढ़ के संबंधित शेयर सर्टिफिकेट यून को देने की बाबत उनके द्वारा धारित राजगढ़ में प्रत्येक 10 रु. के प्रति 10 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के लिए यून में प्रत्येक 10 रु. के 40 पूर्णतः संदस्त साधारण शेयरों के समानुपात में यून में साधारण शेयर समतुल्य पर आबंटित कर निर्गमित करेगी।

(ख) यून द्वारा इस प्रकार निर्गमित और आबंटित अधिमानी और साधारण शेयर सभी मामलों में यून के विद्यमान निर्गमित अधिमानी और साधारण शेयरों की समान श्रेणी के होंगे।

(ग) यदि उपर्युक्त उपखण्ड (क) के निबन्धनों के अनुसार यूल द्वारा शेयरों के आबंटन में भाग अंतर्भूत हों, तो प्रत्येक विपटित कंपनी की बाबत ऐसे भागों को समेकित किया जाएगा और इस प्रकार समेकित शेयर यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा यूल के अनेक निदेशकों या कर्मचारियों में किसी एक को आबंटित किये जाएंगे, जो उक्त समेकित शेयरों का ऐसी कीमत या कीमतों पर और उसे निबन्धनों तथा शर्तों पर विक्रय करेंगे जो यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जाए और प्रत्येक विपटित कंपनी की बाबत उसके शुद्ध विक्रय भागम उन विपटित कंपनियों में शेयरों के संबंध शेयरधारकों के बीच बांट दिए जाएंगे, जो ऐसा नहीं होने पर अपने अपने हकों के अनुपात में ऐसे भागों के हकदार हुए होते।

(घ) विपटित कंपनियों के अनिवार्य सदस्य को यूल द्वारा अधिमानी साधारण शेयरों का आबंटन और उपर्युक्त उपखण्ड (क) और (ग) के अनुसार संशय विवेकी मुद्रा विनियम अधिनियम 1971 (1973 का 46) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन के अधीन किया जाएगा।

(ङ) यूल नये शेयरों के आबंटन और उपर्युक्त उपखण्ड (ग) में उपबंधित रीति से भागिक शेयरों के निपटान की विधिविधियाँ देते हुए एक सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित करायेगी और प्रत्येक विपटित कंपनी के (यूल को छोड़कर, विपटित बान्द्राष्ट में उसकी धृतियों के संबंध में और निम्न में उसकी धृतियों के संबंध में) प्रत्येक शेयरधारक को, जिसका नाम उपर्युक्त उपखण्ड (क) में निविष्ट तारीख को विपटित कंपनियों के सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज है, रजिस्ट्रीकृत डाक से भेज देगी। उपर्युक्त सूचना में यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा नियत की जाने वाली उस तारीख का भी उल्लेख रहेगा, जिसके भीतर विपटित कंपनियों के (यूल को छोड़कर, निम्न में उसकी धृतियों के संबंध में) संबंधित शेयरधारक विपटित कंपनियों में शेयरों के लिये संबंधित प्रमाणपत्र यूल को वापस कर देंगे और इन तरह वापस करने पर यूल-(i) उन्हें उपर्युक्त उपखण्ड (क) के अधीन आबंटित यूल में शेयरों के लिये प्रमाणपत्र जारी करेगी, और (ii) जहाँ देय हो, उपर्युक्त खण्ड (ग) के निबन्धनों के अनुसार, भुगतान करेगी।

यूल द्वारा कम से कम दो सप्ताहपूर्व में (जिनमें से एक क्षेत्रीय भाषा में होगा) विपटित कंपनियों के शेयरधारकों को शेयरों के आबंटन की सूचना के प्रेषण को अधिसूचित करते हुए, एक सूचना भी प्रकाशित की जायेगी। विपटित कंपनियों के शेयरधारकों को, जिसके नाम समावेसन की स्कीम के अनुसार पूर्वोक्त दिन को सदस्यों के रजिस्टर में हों, यूल द्वारा नये शेयर निर्गमित करने पर विपटित कंपनियों में उनके द्वारा धारित शेयरों के संबंध में शेयर प्रमाणपत्र रद्द हो गये माने जायेंगे और विपटित कंपनियों में उनके शेयरधारण के आधार पर उनको किसी भी तरह का कोई अधिकार उद्भूत नहीं होगा।

(च) जहाँ विपटित कंपनियों में कोई शेयर नियत दिन से पूर्व अन्तरित कर दिये गये हों, किन्तु वे नियत दिन के पूर्व अन्तरण के रजिस्ट्रीकरण के लिये विपटित कंपनियों को प्राप्त नहीं हुए हों वहाँ ऐसे शेयरों के अन्तरिती उपर्युक्त उपखण्ड (ङ) में यथानिश्चित यूल के निदेशक बोर्ड द्वारा नियत तारीख को या उसके पूर्व यूल को निम्न-लिखित प्रस्तुत करने पर—(i) अन्तरण की सम्यक् रूप से निष्पादित लिखत और (ii) उपर्युक्त उपखण्ड (क) में उल्लिखित अनुपात में यूल के शेयर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिये विपटित कंपनियों में शेयरों के संबंधित प्रमाणपत्र, के हकदार होंगे।

(छ) हम खण्ड में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, कंपनी विधि बोर्ड को इस खण्ड के निबन्धनों के अनुसार यूल द्वारा शेयरों के निर्गमन और आबंटन के संबंध में किसी भी तरह के प्रश्न या कठिनाई का, चाहे जो भी हो, निपटारा करने का अधिकार होगा।

8. कराधान संबंधी उपबन्ध—नियत दिन के पूर्व प्रत्येक विपटित कंपनी द्वारा किये गये कारबार के लाभों और प्रविजाओं के संबंध में

सभी कर यूल द्वारा उसी तरह संदेय होंगे, जिस तरह कि यदि यह भावेन न हुआ होता तो प्रत्येक विपटित कंपनी द्वारा देय होते।

9. विपटित कंपनियों के विद्यमान अधिकारियों और कर्मचारियों संबंधी उपबन्ध—विपटित कंपनियों में नियत दिन से ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विपटित कंपनियों के निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से यथास्थिति, यूल का अधिकारी या कर्मचारी, बन जायेगा और अपने पद पर या सेवा में उसी कार्यकाल तक और उन्हीं निबन्धनों तथा शर्तों पर उन्हीं अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ बना रहेगा, जिनके साथ वह, यदि यह आदेश नहीं हुआ होता तो विपटित कंपनियों के अधीन रहा होता और वह इस तरह तक बना रहेगा जब तक कि यूल में उसका नियोजन सम्भवतः समाप्त नहीं हो जाता है या जब तक कि उसका पारिस्थितिक और नियोजन के निबन्धन तथा शर्त पारस्परिक सम्मति से सम्भवतः परिवर्तित नहीं हो जाते हैं।

10. विपटित कंपनियों द्वारा स्थापित भविष्य निधि, अधिवाषिकी निधि, कल्याण निधि या अन्य निधियाँ—विपटित कंपनियों और यूल के सभी अधिकारी और कर्मचारी या तो राज्य निधि या यूल कर्मचारियों और संबंधित विपटित कंपनियों के कर्मचारियों के लाभ के लिये यूल द्वारा स्थापित अनेक भविष्य/अधिवाषिकी निधि संस्थाओं के सदस्य हैं, और संबंधित विपटित कंपनियाँ उक्त निधियों में अपना-अपना योगदान देती आ रही हैं। इस आदेश के आधार पर विपटित कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों के यूल के कर्मचारी बन जाने से, उक्त अधिकारी और कर्मचारी उक्त संबंधित निधियों के सदस्य बने रहेंगे और नियत दिन से यूल इन कर्मचारियों के संबंध में योगदान करता रहेगा।

11. विपटित कंपनियों के निदेशकों की स्थिति—विपटित कंपनियों का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन से ठीक पूर्व पद धारण कर रहा हो नियत दिन को विपटित कंपनियों का निदेशक नहीं रह जायेगा।

12. विपटित कंपनियों के लेखापरीक्षक—विपटित कंपनियों के लेखापरीक्षक जो नियत दिन के ठीक पूर्व अपने-अपने पद धारण किये हुए थे, नियत दिन से उस रूप में लेखा परीक्षक नहीं रहेंगे।

13. विपटित कंपनियों के लाभों—इस आदेश में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, 31 मार्च, 1986 को समाप्त अपने लेखा वर्ष की बाबत अपने संबंधित शेयरों पर किसी विपटित कंपनी द्वारा घोषित और प्रदत्त लाभों को, यदि कोई हो, इस आदेश के उपबन्धों से अप्रभावित कर दिया जायेगा। जहाँ 31 मार्च, 1986 को समाप्त लेखा वर्ष तक लाभों को, यदि कोई हो, घोषणा की गई है, किन्तु किसी विपटित कंपनी द्वारा किसी भी कारण से उसका संवाय नहीं किया जा सका है, तो उसका संवाय और/या संयोजन यूल द्वारा उसी तरह विधि के अनुसार किया जायेगा जैसे कि यदि यह आदेश नहीं हुआ होता तो विपटित कंपनियाँ करती।

14. कंपनियों का विपटन—इस आदेश के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से,—

(क) बाबरहाट, वासमतिया, भूखंडी, मिम, मरकुनामी और राजगढ़ में से प्रत्येक परिसमापन के बिना विपटित हो जायेगी और कोई भी व्यक्ति किसी विपटित कंपनी या उसके निदेशक या अधिकारी के विरुद्ध ऐसे निदेशक या अधिकारी के रूप में उसकी उस हैसियत में सिवाय इसके कि जहाँ तक इस आदेश के उपबन्धों को प्रवर्तित करने के लिये आवश्यक हो, कोई दावा नहीं रखेगा या मांग नहीं रखेगा या कार्यवाही नहीं करेगा; और

- (ख) किसी भी विवादित कंपनी के प्रत्येक शेयरधारक का उनमें से किसी शेयर के लिये या उसके संबंध में अधिकार समाप्त हो जायेगा और उसके पश्चात् ऐसा कोई शेयरधारक ऐसे किसी शेयर के संबंध में कोई दावा नहीं रखेगा या मांग नहीं करेगा या कार्यवाही नहीं करेगा।

13. कंपनी के रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रिकरण :—कंपनी विधि बोर्ड, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किये जाने के पश्चात् यथाशीघ्र इस आदेश की एक प्रति कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता को भेजेगा। इसके प्राप्त होने पर कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, यूल द्वारा विहित फीस का संशय करने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की एक प्रति के प्राप्त होने की तारीख से एक मास के भीतर उस रजिस्ट्रिकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। इसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल यूल को जिसके साथ विवादित कंपनियों सम्बन्धित की गई हैं, फाइल पर ऐसे सभी दस्तावेज रखेगा जो विवादित कंपनियों के संबंध में उनके पास रजिस्ट्रिकृत अतिविधित या फाइल किये गये हैं और उन्हें समेकित करेगा और ऐसे समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

14. परिणामी कंपनी के शासन और संगन-प्रमुखता :—यूल के द्वारा और संगन-प्रमुखता जैसे के नियत दिन के ठीक पूर्व के नियत दिन से परिणामी कंपनी के शासन और संगन-प्रमुखता बन जायेंगे।

[सं. 24/11/86-सो ए -III]

कंपनी विधि बोर्ड के आदेशानुसार  
र. नाथ बंसल, सदस्य, कंपनी विधि बोर्ड

## MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 26th August, 1987

### ORDER

S.O. 796(E).—Whereas, the Company Law Board is satisfied that it is essential in public interest that Andrew Yule and Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) and its six tea subsidiaries, namely Banarhat Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1882 (6 of 1882), the Basmatia Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) the Hoolungoorree Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1866 (10 of 1866), The Mim Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1866 (10 of 1866), the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) and the Rajgarh Tea Company Limited, a company incorporated under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913), each of these seven companies being a company within the meaning of section 3 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), should be amalgamated into a single company;

And, whereas a copy of the proposed order was sent in draft to the companies aforesaid, namely the Banarhat Tea Company Limited, the Basmatia Tea Company Limited, the Hoolungoorree Tea Company Limited, the Mim Tea Company Limited, the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, the Rajgarh Tea Company Limited and the Andrew Yule and Company Limited and the objections or suggestions received from some of the shareholders have been considered by the Company Law Board.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No.

GSR-443(E) dated the 18th October, 1972, the Company Law Board hereby makes the following order, namely :—

1. Short title.—This order may be called the Banarhat Tea Company Limited, the Basmatia Tea Company Limited, the Hoolungoorree Tea Company Limited, the Mim Tea Company Limited, the Murphulani (Assam) Tea Company Limited, the Rajgarh Tea Company Limited and the Andrew Yule and Company Limited (Amalgamation) Order, 1987.

2. Definitions : In this order unless the context otherwise requires;

- (a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved companies" mean the Banarhat Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Banarhat'), the Basmatia Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Basmatia'), the Hoolungoorree Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Hoolungoorree'), the Mim Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Mim'), the Murphulani (Assam) Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Murphulani'), and the Rajgarh Tea Company Limited (hereinafter referred to as 'Rajgarh');
- (c) "resulting company" means Andrew Yule and Company Limited (hereinafter referred to as 'Yule').

### 3. Amalgamation of the Companies :

- (i) On and from the appointed day, the entire business and undertakings of the dissolved companies, subject to encumbrances thereof if any, in as is where is condition, including all properties, moveable, immovable and other assets of whatsoever nature including industrial and other licences and rights, quota rights, trade marks and other industrial property, rights, leases and tendency rights, benefits of all agreements, contracts, arrangements and all other interests, rights or powers of every kind, nature and description whatsoever (all such business, undertakings, properties assets, rights, licences, contracts and powers are hereinafter collectively referred to as 'the undertaking' for the sake of brevity) shall, without any further act or deed, be and the same shall stand transferred to and vested in and be deemed to have been transferred to and vested in Yule pursuant to the provisions of section 396 and other applicable provisions of the Companies Act, 1956, if any, which company (Yule) shall immediately on such transfer be deemed to be the company resulting from the amalgamation.
- (ii) On and from the appointed day all debts, liabilities (contingent or otherwise), duties and obligations of the dissolved companies including secured, unsecured debts of any of the public financial institutions as defined in section 4A of the Companies Act, 1956 under the respective mortgages, hypothecation deeds shall also be transferred without any further act or deed to Yule pursuant to the provisions of section 396 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 1956, so as to become the debts and liabilities, duties and obligations of Yule.
- (iii) For accounting purposes the amalgamation shall be affected with reference to the audited accounts and balance sheets as on 31st March, 1986 of the dissolved companies and the transactions thereafter shall be treated on account of Yule. The dissolved companies shall not be required to prepare their final accounts as on any later date and Yule shall take over all the assets and liabilities according to the audited balance-sheets as on 31st March, 1986 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation : "The undertakings of the dissolved companies" shall include all rights, powers, authorities and privileges and all properties, moveable or immovable including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such properties as may belong to, or be in the possession of the dissolved companies immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved companies.

4. Transfer of certain items of property : For the purpose of this order all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved companies as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits or both, if any, of the dissolved companies when transferred to the resulting company, i.e. Yule, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserve or deficits as the case may be of Yule.

On and from the 1st April, 1986, and up to the appointed day, the dissolved companies shall be deemed to have carried on their business and activities for and on behalf of and for the benefit of and on account of Yule.

5. Savings of contracts, etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of every kind to which the dissolved companies were parties, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall remain in full force and shall have effect against or in favour of Yule and may be enforced as fully and effectively as if instead of the dissolved companies Yule had been a party thereto.

6. Saving of legal proceedings.—If on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the dissolved companies be pending, the same shall not abate or be discontinued or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to Yule of the undertakings of the dissolved companies or of anything contained in this order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against Yule in the same manner and to the same extent as it would or might be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved companies if this order had not been made.

7. Rights of the holders of shares in dissolved companies :

(a) Banarhat.—The issued and subscribed share capital of Rs. 97,02,400 is made up of (i) Rs. 4,00,000 divided upto 4,000 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares of Rs. 100 each, (ii) Rs. 11,12,400 divided into 11,124 fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares of Rs. 100 each, and (iii) Rs. 81,90,000 divided into 81,900 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 1,783 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 1,865 fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 41,582 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Banarhat are held by Yule on the appointed day. Consequently there be no issue of Shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 1,783 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 1,865 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 41,582 Ordinary Shares in the capital of Banarhat and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining 2,217 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First preference Shares, 9,259 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 40,318 Ordinary Shares in the capital of Banarhat, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid shares of 2,217 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Shares, 9,259 9.3 per cent Cumulative Second Preference Shares and 40,318 Ordinary Shares in Banarhat in the proportion of (i) 1 fully paid 6-1/2 per cent free of income-tax Cumulative First Preference Share of Rs. 100 each in Yule for every fully paid 6-1/2 per cent

free of income-tax Cumulative First Preference Share of Rs. 100 each in Banarhat, (ii) 1 fully paid 9.3 per cent Second Preference Share of Rs. 100 each in Yule for every fully paid 9.3 per cent Cumulative Second Preference Share of Rs. 100 each in Banarhat and (iii) 314 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each in Banarhat held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Banarhat.

Basmatia.—The issued and subscribed share capital of Rs. 18,36,000 is divided into 1,83,600 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of the above total shares, 95,228 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Basmatia are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 95,228 Ordinary Shares in the capital of Basmatia, and the aforesaid shares in the capital of Basmatia, shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining 88,372 Ordinary Shares in the capital of Basmatia, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 88,372 Ordinary Shares in Basmatia, Ordinary Shares, in Yule in the proportion of 25 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Basmatia held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the relative share certificate(s) of Basmatia.

Hoolungoorree.—The issued and subscribed share capital of Rs. 17,40,000 is divided into 17,400 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 9,868 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Hoolungoorree are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 9,868 Ordinary Shares in the Capital Hoolungoorree, and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining, 7,532 Ordinary Shares in the capital of Hoolungoorree, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 7,532 Ordinary Shares in Hoolungoorree, Ordinary Shares in Yule in the proportion of 70 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary shares of Rs. 100 each in Hoolungoorree held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Hoolungoorree.

Mim.—The issue and subscribed share capital of Rs. 4,77,000 is divided into 4,770 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each.

Out of the above total shares, 2,055 fully paid Ordinary Shares and 450 fully paid Ordinary Shares in the paid up capital of Mim are held by Yule and Banarhat respectively on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holding of 2,055 Ordinary Shares in the capital of Mim and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this order.

Since the undertaking of Banarhat is vested in Yule, by virtue of this order, the aforesaid holding of 450 Ordinary Shares of Banarhat in the share capital of Mim shall stand cancelled and there will be no issue of shares by Yule because of the amalgamation of Mim with Yule by virtue of this order.

As to the remaining 2,265 Ordinary Shares in the capital of Mim, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 2,265 Ordinary Shares in Mim, Ordinary Shares in Yule in the proportion of 38 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 100 fully paid Ordinary Shares of Rs. 100 each in Mim held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule the relative share certificate(s) of Mim.

**Murphulani.**—The issued and subscribed share capital of Rs. 10,00,000 is made up of (i) Rs. 2,00,000 divided into 20,000 fully paid Preferred Ordinary Shares of Rs. 10 each, and (ii) Rs. 8,00,000 divided into 80,000 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of that above total shares, 11,676 fully paid Preferred Ordinary Shares and 47,863 fully paid Ordinary Shares in the capital of Murphulani are held by Yule on the appointed day. Consequently, there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of the aforesaid holding of 11,676 Preferred Ordinary Shares and 47,863 Ordinary Shares in the capital of Murphulani and the aforesaid shares shall stand cancelled by virtue of this Order.

As to the remaining, 8,324 Preferred Ordinary Shares and 32,137 Ordinary Shares in the capital of Murphulani, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 8,324 Preferred Ordinary Shares and 32,137 Ordinary Shares in Murphulani, Ordinary Shares in Yule in the proportion of (i) 23 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Preferred Ordinary Shares of Rs. 10 each in Murphulani, and (ii) 22 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Murphulani held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the respective share certificate(s) of Murphulani.

**Rajgarh.**—The issued and subscribed share capital of Rs. 24,00,000 is divided into 2,40,000 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each.

Out of the above total shares, 1,76,908 fully paid Ordinary in the paid up capital of Rajgarh are held by Yule on the appointed day. Consequently there will be no issue of shares in the capital of Yule in respect of its aforesaid holdings of 1,76,908 Ordinary Shares in the capital of Rajgarh, and the aforesaid shares stand cancelled by virtue of this order.

As to the remaining, 63,092 Ordinary Shares in the capital of Rajgarh, Yule shall issue after the appointed day by allotment at par to the respective holders of the aforesaid 63,092 Ordinary Shares in Rajgarh Ordinary Shares in Yule in the proportion of 40 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Yule for every 10 fully paid Ordinary Shares of Rs. 10 each in Rajgarh held by them on the date immediately preceding the appointed day against tender to Yule of the relative share certificate(s) of Rajgarh.

(b) The Preference and Ordinary Shares to be so issued and allotted by Yule shall in all respects rank *pari passu* with the existing issued Preference and Ordinary Shares of Yule.

(c) If the allotment of the shares by Yule in terms of sub-clause (a) above involves fractions then such fractions in respect of each of the dissolved companies shall be consolidated and the shares so consolidated shall be allotted by the Board of Directors of Yule to any one or more of the Directors or employees of Yule who shall sell the said consolidated shares at such price or prices and upon such terms and conditions as may be approved by the Board of Directors of Yule and the net sale proceeds thereof in respect of each of the dissolved companies shall be distributed amongst the concerned holders of the shares in the dissolved companies who would otherwise have been entitled to such fractions in proportion to their respective entitlements.

(d) The allotment of the Preference/Ordinary Shares by Yule and payment according to sub-clauses (a) and (c) above to a non-resident member of the dissolved companies shall be subject to the approval of Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).

(e) Yule shall cause to be published in the *Gazette of India* and send by registered post to every holder of shares in each of the dissolved companies (other than to Yule in respect of its holdings in the dissolved companies and to Banarhat in respect of its holdings in Mim) whose name is entered in the Register of Members of the dissolved companies on the date referred to in sub-clause (a) above, a notice giving particulars of the allotment of new shares by Yule & the disposal of fractional shares in the manner provided in sub-clause (c) above. The above notice shall also mention a date to be fixed by the Board of Directors of Yule within which the respective holders of the shares in the dissolved companies (other than to Yule in respect of its holdings in Mim) shall surrender to Yule the relative certificate(s) for the shares in the dissolved companies and upon such surrender Yule will (i) issue to them certificate(s) for shares in Yule allotted under sub-clause (a) above, and (ii) make payment where due, in terms of sub-clause (c) above.

A notice shall also be published by Yule in at least two newspapers (one of which shall be in regional language) notifying the despatch of the notices of allotment of shares to the shareholders of the dissolved companies. Upon issue of the new shares by Yule to the shareholders of the dissolved companies standing on the Registers of Members on the aforesaid day in accordance with the Scheme of Amalgamation, the share certificate(s) in respect of the shares held by them in the dissolved companies shall be deemed to have been cancelled and no rights of any kind shall accrue to them by virtue of their shareholdings in the dissolved companies.

(f) Where any shares in the dissolved companies have been duly transferred before the appointed day but they have not been received by the dissolved companies for registration of the transfer before the appointed day, the transferee of such shares shall be entitled upon submission to Yule on or before the date fixed by the Board of Directors of Yule as referred to in sub-clause (e) above (i) the duly executed instrument of transfer, and (ii) the relative certificate(s) of shares in the dissolved companies to receive the certificate(s) of shares in Yule in the proportion mentioned in sub-clause (a) above.

(g) Notwithstanding anything contained in this clause the Company Law Board shall have power to settle any question or difficulty whatsoever in regard to the issue and allotment of shares by Yule in terms of this clause.

8. Provision with respect to taxation : All taxes in respect of the profits and gains of the business carried on by each of the dissolved companies before the appointed day shall be payable by Yule to the same extent as would have been payable by each of the dissolved companies if this order had not been made.

9. Provisions respecting existing Officers and Employees of the dissolved companies : Every wholetime Officer or other employee (excluding the Directors of the dissolved companies) employed immediately before the appointed day in the dissolved companies, shall as from the appointed day become an Officer or employee as the case may be of Yule and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions with the same rights and privileges as he would have held under the dissolved companies if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in Yule is duly terminated or until his remuneration and other terms and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

10. Provident Fund, Superannuation Fund, Welfare Fund or other Funds established by dissolved companies : All Officers and employees of the dissolved companies and Yule are members either of the State Fund or the several Provident/Superannuation Fund Institutions established by Yule for the benefit of the employees of Yule and the employees of the respective dissolved companies, and the respective dissolved companies have been making their respective contributions to the said Funds. With the Officers and employees

of the dissolved companies becoming the employees of Yule by virtue of this order, the said Officers and employees shall continue to remain members of the said respective Funds and Yule shall with effect from the appointed day continue to make the contributions to the said Funds in respect of these employees.

11. Position of Directors of dissolved companies : Every Director of the dissolved companies holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a Director of the dissolved companies on the appointed day.

12. Auditors of dissolved companies : The auditors of the dissolved companies holding their respective offices immediately before the appointed day shall cease to be the auditors as such with effect from the appointed day.

13. Dividend of dissolved companies : Notwithstanding anything contained in this order, dividend, if any, declared and paid by any of the dissolved companies on their respective shares in respect of their accounting year ended 31st March, 1986 shall be excluded from the provisions of this order. Where dividends, if any, upto the accounting year ended 31st March, 1986 declared but could not be paid by any reason by any of the dissolved companies shall be accordingly paid and/or dealt with by Yule in accordance with the law as the dissolved companies would have done if this order had not been made.

14. Dissolution of Companies : Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day :

- (a) each of Banarhat, Basmatia, Hoolungoree, Mim, Murphulani and Rajgarh shall be dissolved without winding up and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against any of the dissolved companies or against a Director or Officer thereof in his capacity as such Director or

Officer except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order; and

- (b) the right of every shareholder of any of the dissolved companies to or in respect of any share in any of them shall be extinguished and thereafter no such shareholder shall make, assert or take any claims, demands or proceedings in respect of any such share.

15. Registration of the Order by the Registrar of Companies : The Company Law Board shall, as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, West Bengal in Calcutta a copy of this order on receipt of which the Registrar of Companies, West Bengal shall register the Order on payment of the prescribed fees by Yule and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter the Registrar of Companies, West Bengal shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved companies on the file of Yule with whom the dissolved companies have been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

16. Memorandum and Articles of Association of the resulting Company : The Memorandum and Articles of Association of Yule as they stood immediately before the appointed day, shall as from the appointed day continue to be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[No. 24/11/86-CLIU]

By Order of the  
Company Law Board,  
RAM BANSAL, Member,  
Company Law Board